



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 125]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 7, 1989/अष्टावद 16, 1911

No. 125]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 7, 1989/ASADHA 16, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वार्षिक भंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

नार्वर्जनिक सूचना सं० 128

नई दिल्ली, 7 जूलाई, 1989

विषय:— जापान को विदेशी आर्थिक सहयोग निधि हारा कर्नटिक विद्युत नियम (मैसर्स के.पी.सी.एल.) की रायचूर थरमल पावर स्टेशन विस्तार योजना को लागू करने के लिए बढ़ाए गए 23.142 विनाक के क्रृष्ण सं. आई.टी.पी. 52, दिनांक 15-12-1988 के अंतर्गत उपकरणों तथा सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

फाइल सं. आईपीसी/23 (52) 88-91:— कर्नटिक विद्युत नियम (मैसर्स के.पी.सी.एल.) को रायचूर थरमल पावर स्टेशन विस्तार योजना (1—210 एम डब्ल्यू), को लागू करने के लिए 23.142 विलियन के विदेशी आर्थिक सहयोग क्रृष्ण सं. आई.टी.पी. 52 दिनांक 15-12-1988 के अंतर्गत उपकरणों तथा सेवाओं के आयात को शासित करने वाली शर्तें, जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, सूचना के लिए अधिकृत की जाती हैं।

तेजेन्द्र खना, मूल्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

परिशिष्ट

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (आ.ई.सी.एफ.) द्वारा कर्नटिक विद्युत नियम (मैसर्स के.पी.सी.एल.) की रायचूर थरमल पावर स्टेशन विस्तार योजना को लागू करने के लिए 23.142 विलियन के क्रृष्ण सं. आई.टी.पी. 52, दिनांक 15-12-1988 के अंतर्गत उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड-1—सामान्य शर्तें

(1) मैसर्स के.पी.सी.एल. की रायचूर थरमल पावर स्टेशन विस्तार योजना की आयात आवश्यकता के वित्तदान के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (आ.ई.सी.एफ.) द्वारा प्रदान किये 23.142 विलियन येन का क्रृष्ण जापान और विकासशील देशों जिनमें भारत और (आ.ई.सी.एफ.) के सभी सदस्य देश शामिल हैं के लिए खुला है। तदनुसार, इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली वस्तुएं और नेवाएं जापान और अनुबंध-1 की सूची में उद्घृत सभी देशों से आयात की जा सकती हैं। ये देश इस क्रृष्ण के अंतर्गत पात्र स्रोत देश होंगे।

(2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्हीं मद्दों और उसी मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिदेशालय, तकनीकी विकास/पूँजीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई

हो। इम क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस का मूल्य 25.456 विलियन येन (लागत बीमा भाड़ा) से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रूपये में मूल्य राजस्व विभाग (सीमाशुल्क) द्वारा प्रशिक्षित विभिन्न दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और मूल्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना स. 78-आईटी सी (पी.एन.)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में संकेतिक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि सीमाशुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सों) में विनिदिष्ट मूल्य विभिन्न दर घेर सूच्य को लाइसेंस मूल्य के नामे डालेगा। लाइसेंस पर एक शीर्षक “जापानी येन क्रूण सं. आई डी पी-52” होगा। प्रवास और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में “प्रा/जे सी” होगा। यह कोड भारतीय बाद निगम को लाइसेंस भेजते समय सूच्य नियंत्रक आयात-नियर्ति के पक्ष में भी दुहराया जाएगा। जिसकी एन प्रति वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठांतित की जानी चाहिए।

(13) मैसर्ट के पी.सी.एल. के पक्ष में आयात लाइसेंस केवल लागत-बीमा-भाड़ा के आधार पर ही जारी किये जा सकते हैं।

(14) आयात की सुविधा पर निर्भर करने हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस इम क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन कुल मूल्य 25.456 विलियन (लागत-बीमा-भाड़ा) येन के अधीन नहीं होना चाहिए जैसाकि उपर पैरा (2) में कहा रखा है।

(15) आयात लाइसेंस की वैधता को आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है। आगे और बृद्धि करने के लिए/नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

(16) क्रेडिट के अधीन वित्तदान किए जाने वाले आयात/आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत सत्यापित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिविधि है।

(17) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेण्य की अनुमति आयात लाइसेंस के मद्दे नहीं दी जाएगी। भारतीय अभिकर्ता को कमीशन के रूप में कोई भी भुगतान भास्त में भारतीय अभिकर्ता को भारतीय रूपये में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होने और लाइसेंस पर ही प्रभारित किए जाएंगे।

(18) पक्के आदेश अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को जृज पर्यन्त निःशुल्क लागत-बीमा-भाड़ा/लागत और भाड़ा ग्रह के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की प्रवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाना चाहिए। बीमा प्रभार का भुगतान भारतीय रूपये में भारत में देय होगा। पक्के आदेशों का अर्थ भारतीय लाइसेंस-धारी द्वारा दिए गए उन क्रम आदेशों से हैं जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत दस्तावेज होने या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित क्रय संविदां हो। विदेशी संभरकों द्वारा भारतीय अभिकर्ताओं को दिए गए आदेश या ऐसे भारतीय अभिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकृत नहीं हैं।

(19) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों को इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण दस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(8) में यथा उल्लिखित पक्के आदेश द्वारा महीनों के भीतर वैध कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिए जा सकते इन कारणों का उल्लेख करने हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने की अवधि में बृद्धि के लिए ऐसे

आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों को और अवधि के लिए बृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि बृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपेक्ष रूप से लाइसेंग प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लाक, नई फिल्ड को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी बृद्धि के लिए प्रत्येक भास्त की पात्रता के आधार पर विचार करते और अपना नियंत्रण लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे। जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रोत्तित करते। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी बृद्धि आपने करने वाला एक पक्का प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय पदाधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरण ठेकों को पूर्ण करने के सबंध में सांख्यिक रूपान्तर करने के लिए प्राधिकार एवं आर्थिक संभरण ठेकों में संबंधित करने की अनुमति देते।

(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भुगतान पूर्ण कर देने चाहिए। माल के प्राप्तिलाभ पर अलग-अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आवार पर अर्थात् शेषलाभान्दान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किसी की ऋण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए:—

“साथ-पक्क की प्राप्ति के बाद . . . महीनों परन्तु अधिक से अधिक के अत तक पूर्ण किया जाना है।

पोतलाभान के लिए आखिरी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह तिथि 31-12-1992 के बाद की न हो। खण्ड-2 संभरण ठेके का समझौता करते समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें।

(1) ठेके का जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत बीमा भाड़ा मूल्य येन में (येन की भिन्न के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिए और इसमें भारतीय अभिकर्ता का कमीशन, यदि कोई हो, तो वह भागिल नहीं होना चाहिए। जो कि भारतीय रूपये में चुकाना चाहिए।

संविदा का मूल्य येन में (या भारतीय संभरकों के भास्त में भारतीय रूपये में अभिव्यक्त होना चाहिए। क्रम अदेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

(2) क्रम के रकम से वित्त पोषित किए जाने वाले सभी माल और सेवाओं की अधिविभागित के अंत अधिविभागित के लिए मार्ग दर्शन बिन्दुओं के अनुसार निरन्तरित संप्रयुक्त शर्तों के साथ की जाएगी:—

(क) कम से कम 500 मिलियन येन के अनुदानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिविभागित के भास्त में:—

(1) यदि पूर्व अर्हता सहित औपचारिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा से भिन्न अधिविभागित क्रियाविधि अपनाने के प्रस्ताव है तो अधिविभागित की पद्धति के अनुमोदन के लिए ओ.ई.रो.एफ. को आवेदन पक्का प्रस्तुत करके उसके पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) सफल बोलीवार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बांगी मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पक्का ओ.ई.सी.एफ. को प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन-पक्क के साथ साथ पूर्व अर्हता की मूल्यांकन रिपोर्ट, बोलीकारों को दिए गए नोटिस और अनुदेश, बोली प्रपत्र, प्रस्तावित ठेका विशिष्टिकरण और ड्राइंग और बोली से संबंधित अन्य दस्तावेज ओ.ई.सी.एफ. को भी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ब) 500 मिलियन येन से कम अनुमतित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिकारित क भासले में टेके के निषेध के लिए ओ.ई.एफ. के पूर्व अनुमोदन की इस बारे पर आवश्यकता नहीं है कि निविदा की बोर्डे उचित रूप से विमानित की गई पर हों। लेकिन यदि ओ.ई.सी.एफ. अनुरोध करें तो उसे निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट अंतिम पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

2(3) विवेशी संभरक को मुग्धात उनके नाम में भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा 1988-89 के लिए ओ.ई.सी.एफ. येन लेन्डिंग (परियोजना सहायता) सं. आई.डी.पी.-52 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साधापद के भावधम से किया जाता जाए चाहिए। जिसका अंतिम नीति अष्ट-7 में दिया गया है।

2(4) भायात लाइसेंस के मद्दे केवल एक ही संविदा की जानी चाहिए। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है। जिसके लिए भायात लाइसेंस जारी होने की तिथि के तुरन्त बाबत वित्त मंत्रालय, भार्याक कार्य विमान (जापान अनुमति) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

2(5) संभरक की प्रक्रिया

संभरक, पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रियक या पात्र स्रोत देशों में शामिल होए गए तथा पंजीकृत किए गए पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रियों द्वारा शासित वैध अधिकार होंगे और उनके पात्र स्रोत देशों में माल तथा सेवाएं प्रस्तुत या उपलब्ध कराने की उपयुक्त सुविधा होती होता तथा उन्होंने बास्तव में अवसाय किया होगा।

2(6) अपात्र स्रोत देशों से अनुरोध भायात

जिन वस्तुओं में अपात्र स्रोत देशों में भी हुए भायाती निहित है उसका वित्तान किया जा सकता है बारे कि निम्नलिखित सूचे के अनुसार ऐसे उत्पाद की प्रति यूनिट का मूल्य मध्यार प्रायात पर आयातित भाग के 50% से कम हो :—

आयातित लागत वीमा माड़ा मूल्य + आयात शुल्क $\times 100$

संभरक का जहाज पर्याप्त निःशुल्क मूल्य

(भारतीय संभरकों के सम्बन्ध में एक संफर्द्धीय मूल्य आनाया जाएगा)

2(7) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक को पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जौही जाएगी :—

“मू. अधीक्षता करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला माल (संभरित पात्र स्रोत का नाम) में उत्पादित है।”

“झ. अधीक्षता करता हूँ कि अपात्र स्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूचे के अनुसार 50 प्रतिशत से कम है :—

आयातित लागत वीमा वाडा मूल्य + आयात शुल्क $\times 100$

संभरक का जहाज पर्याप्त निःशुल्क मूल्य

(जहाँ एक संफर्द्धीय मूल्य नाहूँ हो)

झ. अधीक्षता करता हूँ कि (कम्पनी का नाम) और पात्र होते देश का माम में समाविष्ट हो चुकी है और संभरित पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रियों द्वारा नियमित है।

खण्ड-3 संभरण ठेके में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विषेध रूप में समाविष्ट होने चाहिए :—

(क) ठेके की अवस्था भारत सरकार और जापान का विदेशी अधिकारिक सहायोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) के बीच रायबूर थरमल पावर स्टेशन विस्तार परियोजना के लिए येन कोइंट सं. आई.डी.पी.-52 (परियोजना सहायता) के अंतर्गत हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए और यह भारत सरकार और विवेशी अधिकारिक सहायोग निधि के अनुमोदन के प्रधीन होगा।

(ख) संभरकों को दुर्गत भारत सरकार और जापानी विवेशी अधिकारिक सहायोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) के बीच येन कोइंट सं. आई.डी.पी.-52 से संबंधित 15 दिसम्बर, 1988 को हुए ऋण समझौते के अंतर्गत बैंक अधिकारिक द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साधापद के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) संभरक ऐसी सूचना और वस्ताविज्ञानों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होना जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओ.ई.सी.एफ. द्वारा येन ऋण के प्रधीन अपेक्षित हो।

(घ) 2(7) में उल्लिखित प्रपद में प्रमाणपद (तीन प्रतिशतों में)।

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक संविदा के संबंध में एक द्वारा होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्शी पर पौत्र परिवहन अवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए यह भारतीय दूतावास टोकियो को, शामिल भाल की सुपूर्वी के कार्यक्रम से अवगत कराएगा और पोतलदान से कम से कम 6 सन्तान पूर्ण भारतीय दूतावास की सूचना देगा जिससे कि उचित अवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहाँ भारतीय आयातक इच्छुक हो, भूवना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलदान के पश्चात् आवश्यक अपर्याप्त देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उनका एक प्रति भारतीय दूतावास टोकियो को भेजनी चाहिए।

खण्ड-4 ओ.ई.सी.एफ. द्वारा ठेक की पुनरीक्षा

4(1). लाइसेंसधारी की प्रत्येक आदेश देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और विवेशी संभरक की दोनों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतिशतों जो विवेशी संभरकों द्वारा लिखित में पूर्ण आदेश के साथ हों या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रति या संगत वैद्य आयात लाइसेंस की बी फोटो प्रतिशतों सहित और अनुबंध-२ के प्राप्त में “प्राधिकार पद” जारी करने के लिए प्रावेदन की दो प्रतिशतों आधिकारिक कार्य विमान की भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि ठेकों की विष्य वस्तु या उनकी कीमतों में बदल काले ऐसी समीक्षाओं पर भी लागू हो जिसके कारण अनिवार्य रूप में आशोधन करने पड़ें।

4(3) वित्त मंत्रालय (आधिकारिक कार्य विमान) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निषेध का नोटिस ओ.ई.सी.एफ. की समीक्षा के लिए भेजेगा। ठेके के निषेध के नोटिस और ठेके की एक-एक प्रति आधिकारिक कार्य विमान, भारतीय दूतावास, टोकियो को और आयात लाइसेंस की फोटो कार्पी और “प्रधिकार पद जारी करने के लिए आवेदन” वी.ए.ए.प्र.प्रति भाष्य ती.ए.प.प.प.प.प. के वायाली को भेजेगा।

बाण्ड—5 विदेशी संभरकों को ५ ग्रामन साख-पत्र प्रियाधिति

5(1) बिल मंत्रालय, आधिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नाटिंग और ठेके के वस्तव वेज प्राप्त होने पर महायता लेजा तथा लेजा परीक्षा नियंत्रक बैक आफ इंडिया को टोकियो ग्रामा को सम्बोधित गवलग्न अनुबन्ध-३ में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैक आफ इंडिया की टोकियो ग्रामा सम्बद्ध विदेशी संवरण के नाम में समग्र अनुबन्ध-४ (आयातों के लिए) को प्रपत्र में या अनुबन्ध-५ (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा। प्राधिकारी पत्र की प्रतियां औ.ई.सी.एफ. भारतीय बूनावास, टोकियो भारत माध्यात्मक के बैक, आधिक कार्य विभाग (जागत अनुभाग) भिल मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर माझतीय बैक, टोकियो अनुबन्ध-४ (आयातों के लिए लागू होता है) या अनुबन्ध-५ (सेवाओं के लिए लागू होता है) के भनुमार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उनमें एक प्रति विदेशी आधिक सहयोग निधि (ओई सी एफ), भारतीय इनावास, टोकियो, भारत माध्यात्मक से बैक और महायता लेजा एवं लेजा परीक्षा नियंत्रक दोनों भेजेगा।

सी.ए.ए. एण्ड ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर माझ-पत्र बांलने के लिए उपर्युक्त क्रियाधिति सिविल संशोधन या अन्वया के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/माझ-पत्रों के संशोधन पर स्वतं लागू होगी।

5(3) माल का पोतलदान करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैकरों के माध्यम से साख-पत्र में जलिलित दस्तावेज भुगतान के लिए बैक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। बैक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में जलिलित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैकरों के माध्यम से जारी करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूति विदेशी आधिक सहयोग निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) साख-पत्र छोलने, उसके अधीन लेन-देन करने और विदेशी संभरक के बैकर के प्रभार, विवर कोई होने, तो वे आयातक/टोकेशी संभरक द्वारा वहन किए जाएंगे। ओ.ई.सी.एफ. ठेके के मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) मूल्य के बराबर धनराशि प्राप्त करने पर बचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि ओ.ई.सी.एफ. द्वारा स्वयं आण्ड/मिथियों में से चुकाई जाएगी।

ओ.ई.सी.एफ. या नह-पता नखा नियंत्रक, बिल मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त जाने पर आयातक को बचनबद्धता पत्र के द्वारों के तुल्य धनराशि सरकारों देखे में जमा करनी होगी। ओ.ई.सी.एफ. को भुगतान की तिथि से दृप्ता जमा करने की निधि तक (दोनों तिथियां शामिल करके) आज भी प्रचलित दर पर आयातक द्वारा चुकाया जाएगा।

आयातक द्वारा प्रतिपूति क्रिया धिति के क्षेत्र भी 0.1 प्रतिशत का इसी प्रकार का बचनी चुकाया जाएगा। आयातकों द्वारा आय तो वे साथत के भुगतान की निधि से ओ.ई.सी.एफ. द्वारा विदेशी संभरक को आयातों की निधि तक की अवधि के लिए गणना करके बैक आफ इंडिया, टोकियो को देय आज प्रभार का भारत सरकार के लेखे को प्रभाधित किए बिल मंत्रालय बैक आफ इंडिया टोकियो को धन परेवण करके भुगतान किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूति क्रिया धिति

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं की खरीद के लिए आज की अकम की प्रतिपूति के लिए क्रिया धिति आज समझौते से सम्बद्ध प्रतिपूति क्रिया धिति के अनुमार होगी।

बाण्ड—6—रुपया निधेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) बैक आफ इंडिया, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतिक अनुमार आयातक के प्राधिकृत बैकर को पराक्रम्य पोत परिवहन दस्तावेज भेजो तथा बैकर यह सुनिश्चित करेगा कि रुपया प्रतिवर्ष रुप से पीत दस्तावेज रिलाइ होने से पहले भारतीय रिज़व बैक, गई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैक नीम हजारी दिल्ली में जमा कर दिया गया है। विदेशी संभरकों को किए गए येत भुगतान के समतुल्य परे पर आज प्रभार की समय-समय पर प्रचलित दर, जो बत्तमान समय में प्रथम 30 दिन के लिए 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष है और अधिक अधिक के लिए 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष है, पर विदेशी संभरक को बैक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से बास्तविक रुप से दृप्ता जमा करने की निधि तक का हिसाब लगाकर आज मार्वर्जनिक सूचना 31-आई टी सी (पीएन) /83, दिनांक 10-8-1983 के अनुसार मूल भुगतान के माथ-साथ आज प्रभार भी मरकारी लेखे में जमा कराता है। यह भी नोट किया जाए कि आज दोनों दिनों के लिए अधर्ता जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखे में दृप्ता जमा किया जाता है, देय है देखिए ओर सार्वजनिक भूक्तना सं. 153-आई टी सी (पीएन) /76, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक भूक्तना सं. 31-आई टी सी (पीएन) /83, दिनांक 10-8-1983 द्वारा संनिश्चित सार्वजनिक भूक्तना सं. 74-आई टी सी (पीएन) /74, दिनांक 31-5-74

संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख की सुनिश्चित करने के लिए आयातक को अलग से अवस्था करनी चाहिए। बैक आफ इंडिया, टोकियो से आयातक के बैक द्वारा पोत-परिवहन आदि दस्तावेजों की देगी या विलम्ब में प्राप्ति को, रुपया निधेप पर लगते वाले आज की आधिक या पूर्ण धनराशि को समाप्त करने का कारण नहीं माना जाएगा।

विदेशी संभरकों को किए गए येत भुगतान के समतुल्य रुपये की रूपना करने के लिए आयाती आने वाली विभिन्न की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की वह प्रिश्नत दर होगी जो मार्वर्जनिक सूचना सं. 109-आई टी सी (पीएन) /74, दिनांक 3-6-74 ओर संघया 8-आई टी सी (पीएन) /76, दिनांक 17-1-76 में तिप्पारित तरीके के अनुसार लियिक्य की गई हो अथवा जो मुख्य लियिक्य आयात निधान की सार्वजनिक सूचना आ भी माध्यम से या भारतीय रिज़व बैक के मुद्रा विभिन्न लियिक्य परिवकों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर आयित की गई हो।

इन संघयों में और आज की दर के सम्बन्ध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचिन कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित होने के लिए भारतीय रिज़व बैक की जिम्मेदारी होगी कि वेद धनराशि आय तकों को आयात वस्तावेज संघने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातकों को भी यह सुनिश्चित कर देना चाहिए कि देय धनराशि आय तकों से ठीक प्रकार से दस्तावेज नेते से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से तुरन्त जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातकों को तब भी जिम्मेदारी होगी जब में विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत भीमाशुल्क प्राधिकारिया से माल

की सुपुद्दी नेते में पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना चाह कर दिया जाए और समझे की रिपोर्ट मुद्य नियंत्रक आयात-नियर्त को वीजाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात ल इसे जारी न किए जाएं। जिस लिया शीर्ष में उपर्युक्त रूपया निलेप किया जाएगा वह “के इप-जिटर एप्ल एडव्हिस्यू-8443-भिविल डिप जिटस-डिपाजिटस फार परचेजिज एटसटा अब्राउ-परब्रेज अन्डर केडिटब/लोग एग्रीमेंट्स”, लोन कोम वि गवर्नेंट आफ जापान--23.142 विनियन येन क्रिटिट में आई टी पी-52 फार दि रायबूर थरमन पावर स्टेशन विस्तार परियोजना होना चाहिए।

6(2) आलन के दाएं कोने में कौड सं. 5130000009 दशति द्वारा उपर्युक्त घनरणि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ शिल्यों तीर्त हजारी, दिल्ली में गरकार के क्रेडिट में नकद जमा होनी चाहिए जैसा कि इस संबंध में समय-समय पर जारी की गई सर्वजनिक सूचनाओं में निर्दिष्ट है।

6(3) सरकार वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के अन्दर सम्बद्ध भारतीय बैंक भी उपर्युक्त नियर्तित तरीके से वह अंतिरिक्त धनरणि सेवा खर्चों के नियमित भेजेगा जो यिस संवादय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा मांगी जाए। खालन के विभिन्न कालभों को भरते समय आयतकों/उनके बैंकों को इस बात के सुनिश्चय कर लेने चाहिए कि सार्वजनिक सूचना मं. 132 आई टी सी (पी.एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में नियर्तित सूचना खालन के कालम “घन परेण्य और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्यापे” में निरपवाद रूप से निर्दिष्ट की गई है। खाजाना खालन में निम्नलिखित व्यापे नियंत्रण रूप से प्रस्तुत करने चाहिए—

(क) वित्त मंत्रालय की प्राधिकार पत्र (ए.पी.) की संख्या और दिनांक।

(ख) येन मुद्रा की वह घनरणि जिसके संबंध में आपानाई गई परिवर्तन की दर के ग्राम निक्षेप किए जाने हैं।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तारीख।

तत्परता सी.ए.ए. एण्ड ए. द्वारा जारी किए गए भुगतान प्राधिकार पत्र का संबंध खेते हुए और बीजक तथा बोत परिवहन दस्तब्जों की प्रतियों को संलग्न करते हुए खाजाना आलान रूपया जमा करने का साक्ष्य करते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी.ए.ए. एण्ड ए. की भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी—आयात के बैंक के यह नियम करना चाहिए कि रूपये का निलेप बैंक आप इंडिया, टोकियो से आयाती भी सूचना और यिनियम पोतलवान दस्तावेजों की प्राप्ति 10 दिनों के अन्दर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके सत्काल बाद सी.ए.ए. एण्ड ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में सम्बद्ध बैंक को ल इसेस की मुद्रा यिनियम नियंत्रण प्रति पर रूपया निलेपों की धनराशि का पूँछांकन करना चाहिए और अपेक्षित “एस” प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-8—विविध प्रावधान

8(1) अनुदान सहायता के उपयोग की रिपोर्ट

भुगतान के निए प्राधिकार पत्र जारी होने के बाद आयातक को पोतलवानों और उसके अधीन किए गए भुगतानों के संबंध में और जो

पोतलवान होना चाही है, उनके विषय में एक मासिक रिपोर्ट सी.ए.ए.एण्ड ए., आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यूको थैंक बिल्डिंग, संसद भार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

8(2) विशेष शर्त के बारे में समर्तों द्वा अप्रूचिर करता

आयातक को जाहिए कि धन इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत माल संवित्रित किसी ऐसी विशेष शर्त से नमूदक को प्रवाल कराएं जो समझीत का पालन करो में संभरतों पर प्रभाव डाली हो।

8(3) विवाद

धन समझ नेता जाहिए कि आयातक और संभरकों के बीच में यदि कोई विवाद होगा तो उनके लिए भारत सरकार कोई उत्तराधिक्ष नहीं लेनी। बैंक आफ ईंडिया, टोकियो द्वारा भुगतानों ने पूर्व संभरक द्वारा पर्ग को जाने वाली शर्त साक्षात् “भुगतानों के नियमों में” अनुबन्ध-1 में आयातक द्वारा दर्शायी जानी चाहिए। विवादों से निपटने की शर्त उनके की शर्तों में शामिल होनी चाहिए।

8(4) भावी अनुदेश

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठने वाले किसी वा मध्यी मामलों में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए नियर्तों, अनुदेशों या आदेशों का तथा जापान विदेशी आर्थिक सहयोग नियम (ओ.ई.सी.एफ.) के साथ येन क्रेडिट समझौता (परियोजना सहायता) में आई.डी.पी.-52 के अन्तर्गत सभी दायित्वों का आयातक को तुरन्त पालन करना होगा।

8(5) अतिक्रमण और उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में नियर्तित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-नियर्त (नियवन) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

8(6) अनुबन्धों की सूची

1. अनुबन्ध-1 पाल द्वारा देशों की सूची
2. अनुबन्ध-2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध
3. अनुबन्ध-3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
4. अनुबन्ध-4 साखपत्र का प्रथम (प्रायतों के लिए लागू)
5. अनुबन्ध-5 साखपत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)

उपावन्ध---1

पाल द्वारा देशों की सूची

क. विकासशील देश आर्डर भेंत

(क-1) विदेश आर्थिक सहयोग से भिन्न विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी गहारा

मिश्र

मोरक्को

तुनीशिया

2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा

अंगोला

वेनिन

बोत्सवाना

बुरुन्डी

केमरोन

कैप वर्ड द्वीप

मध्य अफ्रीका गणराज्य

चाह	खान्डा
कोसोर ग्राइनफल	मैटिसको
कागो, दाहामे का गणतन्त्र	नीदरलैंड प्रॅटीनीज
इक्वेटोरियल गिनी (1)	निकारागुआ
इथोरिया	पनामा
जाम्बिया	मेंट पियरी और मिक्यूलोन
धाना	ट्रिनिडाड और टोबगो
गिनी	
ग्राइवरी कोस्ट	
हेन्या	3. अमेरिका उत्तरी और मध्य
लोसोथो	बेस्टाइंडोज (कार्बा) एवं प्रपात्
साइबेरिया	
मालागासी गणतन्त्र	(क) सह-सम्बन्ध राज्य (1)
मालाजी	(छ) आंशिक (2)
भासी	
मार्टिनिया, मार्शिस	4. दक्षिणी अमेरिका
मोजाम्बिक	अर्जेन्टीना
सेंट हेन्ता और डेप (2)	बोलिविया
साप्तो टोमो और प्रिसिपल	आर्जील
सेनेगल	चिली
सेचिलीज	कोलम्बिया
सीयरे लिओन	फाल्क लैण्ड द्वीप समूह
सोमालिया	फ्रांस गिनी
सूडान	गुयाना
स्वाजीलैंड	पराग्वे
टोरो, अफरेंस और द्वात	पीरू
टोगो	सूरिनाम
पूर्णान्धा	
तंजानिया गणतन्त्र संघ	5. मध्य पूर्वी एशिया
थ्रापर थोल्डा	बहुरीन
जाइरे गणतन्त्र	हजाराह्ल
जाम्बिया	जार्जिन
3. अमरीका, उत्तरी और केन्द्रीय	नेबनान
बहुमास	ओमान
बरमुडा	मिरिआई अरब गणतन्त्र
बार्बोडोम	यूनायटेड अरब प्रिंसिपात (3)
बोलीज	यमन अरब गणराज्य
फोस्टा रिका	यमन जनशासी गणतन्त्र (4)
क्यूबा	
चाम्पिनिकन गणतन्त्र	6. दक्षिण एशिया
एल सल्वादोर	छाकानिस्तान
गुआलोप	धंगलादेश
ग्वाटेमाला	भूटान
हेटो	बर्मा
होम्बुरग	भारत
जमैका	भालद्वीप
मार्टीनिका	नेपाल
नाहिर	पाकिस्तान
पुर्तगाली गिनी	थ्रीलङ्गा
रियूनियन	
रोडेंशिया	

(1) फरनादो पी-ओ द्वीप, सहित स्पेन गिनी का प्रवेश ।

(2) निम्नलिखित द्वीपों गहिर ... एस्पेनियन ट्रिस्टेन वा इताप्सेसिवल्प, नाइट्रेन, गफ ।

(3) मुख्य द्वीप समूह, अलवा, बोनाहे, अयूराकाओ, माहा मेंट ।

(1) मुख्य द्वीप एस्पिक, डीमिनिका, चेसेडा, ने-न्ट किट्स (भेट फिस्टोपो) नॉथिंग-यगुह्ला, सेंट नुसिप्रा और सेंट विसेट ।

(2) मेन चार्लिंग, मोतेमर्त, नेमान तुर्क और काइकोम और बिटिया यजिन द्वीप समूह ।

(3) ग्रेनान, दुर्बई, कुर्जियाह, राम अर्केमाह, अरजाह और अमरल योर्कियान ।

(4) अदन और विभिन्न मल्टान और अमोरात नदि त ।

7. सुदूर-पश्चिमी एण्डिया
 बङ्गलौरी
 हांग कांग
 अमेरि. गणराज्य
 कोरिया गणराज्य
 लाओस
 मकाशी
 मलेशिया
 फिलीपीन्स
 सिंगापुर
 नाइजीरिया
 थाईलैण्ड
 निमोर
 वियतनाम गणराज्य
 वियतनाम जनशासी गणराज्य

8. आसिनिया
 कुक द्वीप समूह
 फिझी
 गिल्बर्ट और इलाइस द्वीप
 कांसिम पोलिनेशिया (5)
 मार्क
 न्यू कॉलंडोनिया
 न्यू फ़्रेंसिया (ब्र. और प्र.)
 नियू
 बैंसिफिर द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)
 पापुआ न्यू गिनी
 सोलोमन द्वीप समूह (आ.)
 टोंगा
 वालिस और फ़ुटुना
 पश्चिमी सामोआ

9. यूरोप
 साइप्रस
 जिब्राल्टर
 द्वीस
 माल्टी
 स्वेन
 तुर्की
 यूरोप्लाकिया

(5) मोताही आई नैड स समूह (ताहिनी सहित) को शामिल करते हुए आस्ट्रेल द्वीप समूह, टुआमोटू-गम्बियर गूप और मार्क्यूसेम द्वीप समूह।

(6) पैरिफिक द्वीप का ड्रस्ट प्रवेश, कानोलीन द्वीप, मार्शल द्वीप समूह और भैरिन द्वीप समूह (गांधा को छोड़कर)।

(क-2) ओ.पी.ई. सी. के सहयोगी देश

अल्जीरिया
 बोस्निया
 लीबिया और प्रारब्ध गणराज्य
 गेंधीरन
 नाइजीरिया
 इव्वेन्डोर
 वेनेजुएला
 इरान
 इराक
 युवेत
 कस्तार
 सउदी अरब
 आबूधारी
 इन्होमेशिया

संघर्ष
 गेवा में,

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए
 प्रावेदन पत्र

दिनांक

महायना नेत्रा तथा नेत्रा परीक्षा नियंत्रक,
 यिन भूत्तापय, प्राधिक कार्य विभाग,
 यू० कौ० बैंक विलिंग, प्रथम भूत्ति,
 पालियामेट स्ट्रीट, नई विल्ली-१ १०००१.

विषय : येन ऐडिट स. आई. बी. पी. (1988
 के लिए परियोजना सहायता) के पर्याप्त

को का प्रायात
 महोबय,

उपर उल्लिखित येन ऐडिट स. आई. बी. पी. (परियोजना सहायता) के प्रधीन के आयात के संबंध में—(बैंक का नाम) जो कि वही हीना चाहिए, जो नीचे (d) में समवद्ध विदेशी संभरक के नाम में साथ-पत्र खोलने के लिए दिया गया है, के पक्ष में प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आपको निम्नलिखित घाँटे प्रस्तुत करता है:-

(क) भारतीय शायातक का नाम और पता।
 (ख) प्रायात लाइसेंस की संज्ञा, दिनांक और मूल्य और वह सारी जिस तक पैद है।
 (ग) अधिग्राहित के सरीके—क्या वह सीधे क्य पर प्राप्तारित है या औपचारिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविद, पर अप्राप्तारित है। इस मामले में कारणों सहित यह निविद करना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।
 (घ) माल का संक्षिप्त विवरण।
 (ङ) माल का उद्यग देण।
 (च) यदि कोई हो, तो पात्र से इतर ऋत देशों से आयातित संशटकों द्वारा प्रभित।
 (छ) संविदा का कुल जहाज पर्याप्त निःशुल्क लागत और भासा मूल्य (येन में)।
 (ज) यदि कोई हो, तो भारतीय एजेट के कमीशन की धनराशि (येन में)।
 (झ) वास्तविक जहाज पर्याप्त निःशुल्क/लागत और भासा मूल्य (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।
 (ञ) विदेशी के संभरको के साथ की गई संविदा की संज्ञा एवं दिनांक।
 (ঠ) विदेशी संभरक का नाम और पता।
 (ঢ) वे भागात शर्तें योग संभावित नियियो जिनको संविदा के अन्तर्गत भुगतान देय होंगे।
 (ঘ) मुपुर्देशी को पूर्ण करने की प्रबन्धालिक नियि।
 (ঙ) बैंक और इच्छा, दोकियो को मुगलान करने समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सैट की संख्या और उनका निपटान दिखाने हुए)।
 (ছ) पीलवान अनुदेश, वाहनाभ्यरण/पार्ट शिपमेंट की अनुमति ही गई है या नहीं, निविट कीजिए।
 (জ) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।
 (ঘ) ये उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविदाए) कर दी गई है और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दिया गया है, यदि हां तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संज्ञा, दिनांক

और मूल्य और विन मंत्रालय का बद संबर्थे जिसके प्रत्यंगत श्री.ई.सी.ए.फ. को प्रतिपूर्ति किया गया है।

(द) कवा साखपत्र के मंचानन और रख-रखाव के लिए बैंक और इंडिया, टोकियो को देय बैंक खर्च आयातक द्वारा या संभर्थे को द्वारा बहुत किए जाने हैं।

(ध) भाषातक द्वारा यज्ञवद्यता—

“हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरको को किए गए भुगतान के समतुल्य रूपये को पूरा और मठी जमा करते का बजत दें हैं। प्रत्येक निमेप माल (आयातित गामी) की मुद्राएँ लेने से पूर्व तत्काल ही जमा करा दिया जाएगा। विदेशी संभरको के संबंधित बैंक हमारे द्वारा अनुमोदित होते ही और उनकी आवायगी करते ही विदेशी राष्ट्रीयता की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में निवेश कर दिए जाएंगे और संभरको को भुगतान कर दिया जाएगा।

उदाहरण-3

(प्राधिकार पत्र का प्रपत्र)

सं०

भारत सरकार

विन मंत्रालय

प्राधिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में

बैंक और इंडिया,
टोकियो शास्त्रा,
टोकियो (जापान)।

विषय: येन ऐडिट (परियोजना सहायता) अर्हण करार सं.

श्री.ई.सी.ए.फ. के भाष्टीन आयात।

साखपत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।
प्रिय महोदय,

प्रापके बैंक के साथ दिनांक 25-3-80 को किए गए समझौते फी शतों के अनुसार प्रापको एतद्वारा यथा संक्षम बैंकों के अनुसार सर्वश्री के नाम में—येन घन-राशि के लिए अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. प्रापके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साखपत्र की प्रति आयातक कू बैंक, श्री.ई.सी.ए.फ., भारतीय दूतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाए।

3. साखपत्र की शतों के अनुसार प्राप्तमें संभरकों को भुगतान प्रापकी निधि से किया जाएगा। प्राप श्री.ई.सी.ए.फ. को प्रापरियक दस्तावेज भेज कर, किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का धावा तत्काल करें।

4. विदेशी संभरको के अदायगी करते समय प्रापके द्वारा—(आयातक के बैंक का नाम व पता) मन लोत्तालदान दस्तावेज (निमित्य) प्रतिरिक्षित पूर्ण दस्तावेजों के सेट के साथ तथा संभरको को की गई अदायगी को नामे शालने की सूचना, तत्काल अदायगी, यदि कोई की गई और, तो उसकी प्रति भेजें।

5. संभरको को प्रापके द्वारा किए गए भुगतान की निधि में श्री.ई.सी.ए.फ. द्वारा प्रापको उसकी प्रतिपूर्ति की निधि तक के बीच के समय के लिए श्रापको बूकाए जाने योग्य द्वारा प्रभार भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव दाले जिन सामान्य बैंकिंग शौकों के माध्यम से भारत में संबंधित आयातक के बैंक के साथ प्रापके द्वारा निर्णीत किए जाएंगे। शौकों के अन्य खर्च जिसमें साखपत्र खोलने, रख-रखाव करने और गाम्बद्धों के मंचानन और सीदा संबंधी दस्तावेजों के लंचालन से संबंधित और यदि कोई हो, तो विदेशी संभरकों के शौकों के खर्चों ही विदेशी संभरक/आयातक को ही देने पड़े और इसलिए उन्हें मांधे ही संभरक/आयातक में प्राप्त किया जाए। इस प्रकार के भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा श्री.ई.सी.ए.फ. में नहीं किया जाएगा।

6. जैसे ही प्रापके द्वारा कोई भुगतान किया जाए और उसकी प्रतिपूर्ति प्रापको कर दी जाए तो उसकी सूचना निर्धारित पत्र में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र विदेशी संभरकों के नाम में साखपत्र खोलने के लिए है। साखपत्र में बाद में किए जाने वाले मंत्रालय या प्राधिकार पत्र के मुद्दे भविष्य में साखपत्र इस मंत्रालय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किए जिना बैध नहीं होंगे।

8. यह प्राधिकार पत्र —————— तक बैध रहेगा।

9. कृपया इस कारार से संबंधित सभी पताचार और भुगतान का उल्लेख करने वाले सूचना पत्र में इस अनुदेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संख्या का उल्लेख करें।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित:—

1. आयातक —————— को उसके पत्र सं— दिनांक के सदर्भ में।

उनसे भनुरोध है कि बैंकों से विनियम दस्तावेजों की डिनीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से स्पष्ट निक्षेप आदि जमा करने का प्रबंध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण माल की डिलीवरी सीधे ही सीमाशुल्क प्रोद पत्र प्राधिकारियों से मूल पोतलदान दस्तावेज भेजे जिन ही प्राप्त कर ली गई हो तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रीयों द्वारा ही गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही अंडु बोन्ड भुगतान के लिए अनुरोधित हो जाए, निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथा उल्लिखित प्रापरियक कार्यवाही की जा सकती है।

2(1) आयातक के बैंक —————— दिनांक —————— के सदर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र येन ऐडिट के अनुरंगत आयातों को शामिल करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के लहूत जारी किया जाता है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं/आदेशों को वेब पर और आयात/विदेशी भुगतान करते समय उल्लिखित कारंबाही करें।

2(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक और इंडिया, टोकियो बैंक से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरको को येन भुगतान के बराबर रूपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई अन्य राशि के बराबर रूपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8प्राई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की निधि को यथा प्रतिलिपि दर परिवर्तन की निर्धारित दर पर की जाएगी। प्रथम 30 विनों के लिए 12% वार्षिक दर से और इससे अधिक प्राप्ति के लिए 18% वार्षिक दर से अपाई जोकि संभरको भुगतान की तारीख/बैंक और इंडिया, टोकियो को प्रतिपूर्ति की तारीख और जिस तारीख की समतुल्य राशि भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाए। उन दो अवधियों के बीच की प्रवधि के लिए संगति करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-प्राई टी सी (पी एन)/85, दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा कराना है। व्याप दोनों विनों के लिए येन ही अपाई वह तारीख जिपको विदेशी संभरको को भुगतान किया जाता है और वह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रूपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमाशुल्क निकासी के लिए आयात वस्तावेजों का मूल संट दिए जाने से पूर्व यह अन्य राशि जमा की जानी है।

ये अन्यराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, सीसी हजारी में जालान के बाहिनी और कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक

मूचना सं. 184-आई टी सी (पी एन) / 68, दिनांक 30-8-68 तथा 233-आई टी सी (पी एन) / 68, दिनांक 24-10-1968, 132-आई टी सी (पी एन) / 71, दिनांक 5-10-1971, म. 74-आई टी सी (पी एन) 74, दिनांक 31-5-1974 तथा म. 103-आई टी सी (पी एन) / 76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर विद्याया जाता है। इस लेखा शीर्ष में रूपया जमा करना है “के डिपार्जिट्स एंड एडवाइसिंग 843-सिलिं डिपार्जिट्स-डिपार्जिट्स कार पर्सेजिज एटेस्ट्रो अबरोड अंडर पर-ऐज ऑफिट्टलोन एप्रोमेंट्स” लोन फ्रॉम द गवर्नेंट ऑफ जापान—विलियन ब्रेन क्रेडिट (परियोजना महायता) स. आई टी-पी-फार 1988 है।

जिन मामलों में तुल्य रूपया शिर्ष बैंक ऑफ हाईवा, नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ हाईवा, तीस हजारी दिल्ली में सार्वजनिक मूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन) / 71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाए उन मामलों में भालात की मूल रूप में एक प्रतिलिपि उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजनी चाहिए; जिस के साथ बैंक ऑफ हाईवा, टोकियो शाखा से प्राप्त मूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देते हुए एवं प्रत्येक पत्र होना चाहिए।

महायता लेखा नथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, (आधिकारिक कार्य विभाग),
पहली बिल्ल, यूकी बैंक विलिंग,
सेसद मार्ग, नई दिल्ली-110001.

जिन मामलों में तुल्य रूपया ऊर्जा संक्रिति सार्वजनिक मूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित वर्षानी हुड़ी द्वारा प्रेपित करना है उसकी मूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा किए गए तुल्य रूपये का पूर्ण अधीरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

2. मंभरक को भुगतान करने की शिर्ष और श्रोही सी. पी. एफ. द्वारा बैंक ऑफ हाईवा, टोकियो को उसकी अद्यायगी की शिर्ष के बीच की प्रवाधि के लिए बैंक ऑफ हाईवा, टोकियो को देय व्याज प्रभाव बैंक सूची के माध्यम से भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले विनावक बैंक ऑफ हाईवा के साथ आप के द्वारा सीधे निर्णय किए जाएंगे।

3. निवेशक, ऋण विभाग-2 विवेशी आधिक सहयोग निधि टाकेयासी गोशो विलिंग, 4-1 शोहैटेमासी-1 कोरे, लियोश कृ. टोकियो 100, जापान भारतीय दूतावास टोकियो।

5. अव्र नांचव, जापान-अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आधिक कार्य विभाग नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)

उपायकन्ध-4

प्राप्त श्रोही सी. पी. एफ. एन. सी.-।

प्रपरिवर्तनीय मालापत्र
(माल के लिए लागू)

दिनांक

संक्षा में

यह सत्यापन (ऋणी) और विवेशी आधिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार संख्या —— दिनांक —— के अनुसारण में जारी किया गया है।

महोदय,

हम आपको सुवित करते हैं कि हमारे नाम में भेजे गए आपके पूरे शीघ्रक मूल्य के लिए आप के साइट ड्राफ्टों द्वारा उल्लंघन रकम या रकमों के लिए हमने आपके पथ में प्रपरिवर्तनीय मालापत्र में —— बोल दिया है जो —— (आर्थिक येन) को कुल धन-चालि से अधिक नहीं जिसके साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए:

हस्ताक्षरित पूर्ण वाणिज्यिक बीजक, पोत परिवहन निवंश लदात विन जिसमें दिए गए आदेशों का पूरा

सेट है, जैसे पृष्ठक्रित एवं वित्तिन “फेट एवं नोटिफाई” प्रक्रिया किए हुए अन्य दस्तावेज।

जिसमें पोतलदान (माल के लदान का मध्यित्व विवरण) को प्रमाणित करते हुए, संविश सं— (यदि कोई हो) के संदर्भ में —— से —— तक आशिक पोतलदान स्थीरूप है। बाह्यनातरण स्थीरूप है। लदान विन —— के बाद ही शिर्ष का नहीं होना चाहिए। ड्राफ्ट —— तक लेन-देन के लिए अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस ऋण के अंतर्गत सभी ड्राफ्ट तथा दस्तावेजों पर (प्रपरिवर्तनीय मालापत्र सं— दिनांक के अंतर्गत आहरण किया गया और आयात संदर्भ में संज्ञाएं, यदि कोई हो) अंकित होना चाहिए। यह क्रेडिट हस्तान्तरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वक्तव्य देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत और इसकी शर्तों के अनुसार में हमारे नाम में भेजे गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आविष्यितों को दस्तावेजों की सुरुदगी पर विविधत् स्थीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से उल्लेख न किया जाए यह क्रेडिट “यूनिफार्म कस्टम एंड प्रेसिटल फार ड्राफ्टेंट्रो लोडिंग (1974 रिवीजन) इंटर-नेशनल चैम्बर ऑफ कामसं, परिवर्तन म. 290” के अधीन है। लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष प्रानुदेश ——

1. उपर्युक्त ऋण करार के अंतर्गत विद्योग आधिक महोदय निधि ड्वारा जारी किए गए वक्तव्यद्वारा पत्र की अवस्थाओं के अनुसार विदेशी आधिक सहयोग निधि से प्रयत्ने भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम वक्तव्य देते हैं कि हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की घनराणि को लौटा देंगे।

2. लेन-देन करने वाले बैंक को यह बताते हुए हमें ड्राफ्ट और दस्तावेजों का एक पूर्ण सेट और उसके साथ प्रमाणपत्र अवश्य भेजना चाहिए कि शेष दस्तावेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा —— को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अंतर्गत सभी बैंक के बीचे आयात/मंभरक के बीच से देय है।

भवदीप,

()

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा ————— प्राधिकृत हस्ताक्षर

मुगनान अनुरूपी

यह मुगनान अनुरूपी हमारे गार्डपत्र में ————— का एक अधिक अंग है।

1. प्रारंभिक मुगनान घनराणि ————— येन जो कुल संविश मूल्य का ————— प्रतिशत है। अपेक्षित दस्तावेज़ ————— हिन्दिकारी का विवरण प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख।

2. मुगनान प्रगति ————— येन जो कुल मूल्य ————— प्रतिशत है जिसका मुगनान निम्नप्रकार से किया जाना है:—

देय घन राणि ————— प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि पहली किस्त येन —————

दूसरी किस्त येन —————

अपेक्षित दस्तावेज़ ————— (अपने अधिकारी उसके मनोनीत प्राधिकारी) द्वारा जिए किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रपत्र संवर्तन है।

निष्पादन का विवरण

उपाधिक्रम—5

शिनाक

प्रपत्र और ई मी एफ-एल सी-१

मंदर्भ

अपरिवर्तनीय साम्य-पत्र
(सेवाओं के लिए लागू)

सेवा में

दिनांक

(मंदर्भ का नाम और पता)

सेवा में,

यह साम्यपत्र (ऋणी और विदेशी आधिक
सहयोग निधि के बाब द्वारा ऋण करार)
सं-

मंदर्भ: ऋण करार सं—
परियोजना से संबंधित—
येन के लिए—
द्वारा जारी किए गए
साम्यपत्र की सं—
शिनाक—
(ऋणों) का प्रतिनिधित्व करते हुए मैं अधोहस्ताक्षरी, और—
के बीच संविदा से—
शिनाक—
में निहित भुगतान की शर्तों के अनुसार
विवेशी आधिक सहायता निधि द्वारा—
येन की (धनराशि
—येन मात्र) प्राप्त तररों के लिए—
को प्राधिकृत करने के लिए निष्पादन
विवरण जारी करता है।

(मूर्णी)

द्वारा

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश :

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में दर्शाया जाएगा।
भुगतान शर्तें

यह भुगतान शर्तें हमारे साम्यपत्र सं—
का
एक भिन्न अंग हैं।

1. प्रारंभिक भुगतान
धनराशि—
कुल संविदा मूल्य का—
येन
प्रतिशत है।

अभेक्षित दस्तावेज़ :

अंतिम भुगतान तिथि :

2. मध्यस्थ भुगतान (यदि चाही हो)
धनराशि—
कुल संविदा मूल्य का—
येन
प्रतिशत है।

अभेक्षित दस्तावेज़ :

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :

3. पोत परिवहन दस्तावेजों के मुद्रे भुगतान
धनराशि—
कुल संविदा मूल्य का—
येन
प्रतिशत है।

टिप्पणी: यह जैलान शीट पोत परिवहन दस्तावेजों के मुद्रे पूर्ण भुगतान
के भास्त्रों में अभेक्षित नहीं हैं।

(मंदर्भ का नाम और पता)

प्रिय महोदय,

हम आपको शुचित करते हैं कि हमारे नाम पर पूर्ण उल्लिखित मूल्य
के लिए हिताधिकारी के ड्राफ्ट एट लाइट द्वारा उपलब्ध रखा जिसकी
फुल धनराशि—
(येन से अधिक नहीं है) के सिए
आवेदक को नाम में हमने अपरिवर्तनीय साम्यपत्र :
खोल दिया है।

इसमें इसके माथ संलग्न भुगतान अनुमूल्य के अनुसार अपेक्षित
परियोजना के संबंध में ठेका सं—
से संबंधित दस्तावेज होने
चाहिए। लेन देन के लिए डापट—
से पहले प्रस्तुत किए जाने
चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय क्रेडिट म—
के अंतर्गत ड्राफ्ट" लिखा है जाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एसद्वारा बचत देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत इसकी शर्तों
का अनुपालन करके सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आवेदितों को कम्ता-
वेजों की सुपुर्देशी पर विधिवत् स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

जब तक अध्यथा रूप से विस्तारपूर्वक उल्लेख न किया जाए यह
क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एंड प्रेकिट्स फार बाकुमेंटरी क्रेडिट (1974
रिवीजन) इंटरनेशनल बैंकर आ, कामसं बोशर नं. 290" के अधीन है।
लेन देन करने वाले बैंक की विशेष अनुदेशः—

- इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (ऋणी और इसके मानोनीस अधिकारी) द्वारा जारी किये गए निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति
के पश्चात् इस क्रेडिट के अंतर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीर्ष में
निर्धारित भुगतान अनुमूल्य के अनुसार किये जाने चाहिए। प्रारंभिक
भुगतानों को मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के अन्तर्गत
हिताधिकारी के विवरण अपेक्षित है।
- उपर उल्लिखित ऋण समझौते के अधीन जारी किए गए धनराशि सा
पत्र के उपबंधों के अनुसार विदेशी आधिक सहायता निधि से एुग-
लान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम लेन-देन करने वाले
बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों को अनुसार ड्राफ्टों की राशि
परिवर्त बदलने वा बचत देने हैं।
- उपर्युक्त मद 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति और
ड्राफ्ट उनकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही इसमें देने जाएंगे।
- इस माम्यपत्र के अंतर्गत बैंक के सभी अर्द्ध आयातकों/संभरकों के
लाले में देय हैं।

मध्यवीम
वाणिज्यिक बैंकद्वारा
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

**MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL**
PUBLIC NOTICE NO. 138-ITC(PN)/88-91

New Delhi, the 7th July, 1989

Subject—Licensing conditions in respect of import of equipments and services under the Yen Credit Loan No. ID-P.52 dated 15-12-1988 for Yen 23,142 Billion for the Implementation of the Raichur Thermal Power Station Expansion Project of Karnataka Power Corporation (M/s. KPCL) extended by the overseas economic cooperation fund (OECF) of Japan.

File No. IPC/23(52)/88-91.—The terms and conditions governing imports equipments and services under the Yen Credit Loan No. ID-P.52 dated 15-12-1988 for Yen 23,142 Billion for the Implementation of the Raichur Thermal Power Station Expansion Project (1×210 MW) of Karnataka Power Corporation (M/s. KPCL) extended by the overseas economic cooperation fund (OECF) of Japan, as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

**TEJENDRA KHANNA, Chief Controller of
Imports and Exports**

**LICENSING CONDITIONS IN RESPECT OF IMPORTS
OF EQUIPMENTS AND SERVICES UNDER THE YEN
CREDIT LOAN NO. ID-P.52 DATED 15-12-88 FOR YEN
23,142 BILLION FOR THE IMPLEMENTATION OF THE
RAICHUR THERMAL POWER STATION EXPANSION
PROJECT OF KARNATAKA POWER CORP. (M/S. KPCL)
EXTENDED BY THE OVERSEAS ECONOMIC CO-
OPERATION FUND (OECF) OF JAPAN**

Section I—General Conditions

I (i) The Yen Credit of 23,142 Billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirement of the Raichur Thermal Power Station Expansion Project of M/s. KPCL is limited in favour of Japan and developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 25,456 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P.52". The first and second suffix to the licence code will be "S/JC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to M/s. KPCL a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of M/s. KPCL on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 25,456 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I(v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further 1880 GI/89-3.

period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Department of E.A. (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agents's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian Licensee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I (viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :—

"..... Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-12-92.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with following supplemental stipulations :-

- (a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.
- (i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Pre-qualification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.
- (ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for review and concurrence alongwith the above application for aproval of award and bid evaluation, the tender documents etc. will also be submitted to OECF for its reference.
- (b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract, however, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P.52 for 1988-89 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exception cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier

The Supplier shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and which have their appropriate facilities for producing or providing the goods and services in the eligible source countries and actually conduct their business there.

II (vi) Permissible Imports from non-eligible source countries.

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty percent (50%) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae :

IMPORTED CIF PRICE + IMPORT DUTY × 100

Supplier's FOB price

(in case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted)

II (vii) Declaration in Contract

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in _____ (name of eligible source country).

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty percent (50%) in accordance with the following formula :

IMPORTED CIF PRICE + IMPORT DUTY × 100

Supplier's FOB Price

(Where applicable Ex-factory price)

"I, the undersigned, hereby certify that _____ (Name of company) has been incorporated and registered in

_____ (name of eligible source country), has its appropriate facilities for producing or providing the goods and services in (name of eligible source country) and actually conducts its business there.

Section III—Conditions to be incorporated in the supply contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated 15th December, 1988 concerning the Yen Credit No. ID-P.52 (Project Aid) for the Raichur Thermal Power Station Expansion Project.
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P.52 dated 15-12-88 between the Government of India and the Overseas Economic Corporation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV—Review of Contract by OECF

IV (i) Within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importers and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Department of EA) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by Department of EA to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V—Payment to the Overseas suppliers—Letter of Credit Procedure.

V(i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, the CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Bank of India, Tokyo for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo which will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth percent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Government of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance, Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1% is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V(v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

Section VI—Responsibility for rupee deposit :—

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I., Tis Hazari, Delhi, before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee-equivalents of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12 per cent per annum for the first 30 days and @ 18% per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC (PN)/83 dated 10-8-1983. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account Vido Public Notice No. 74-ITC (PN)/74, dated 31-5-1974 as modified under public Notice No. 103-ITC (PN)/76, dated 12-10-1976 and Public Notice No. 31-ITC (PN)/83, dated 10-8-1983.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents

by the importers Bankers from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas supplies will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC (PN)/74, dated 3-8-1974 and 8-ITC (PN)/76, dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Central circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further IAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI & E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances—843—civil Deposits—Deposits for purchase etc. abroad—Purchase under credits/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan—23.142 Billion Yen credit No. ID-P. 52 for the Raichur Thermal Power Station Expansion Project.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices issued from time to time in this regard.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71, dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note.—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the ex-harbor control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VIII—Miscellaneous Provisions**VIII (i) Reports on utilisation of the import licence :—**

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank building, Parliament Street, New Delhi.

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions :—

The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may effect the Suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes :—

It should be understood that the Government of India, will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions.—The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P-52 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VIII (v) Breach or violation.—Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures :

Annexure—I : List of eligible source countries.

Annexure—II : Request for issue of Letter of Authority.

Annexure—III : Form of Letter of Authority.

Annexure—IV : Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure—V : Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

ANNEXURE—I**LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES****A. DEVELOPING COUNTRIES AND TERRITORIES****(a) NON-OPEC DEVELOPING COUNTRIES****I. AFRICA, North of Sahara**

Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola
Benin
Botswana
Burundi
Cameroun
Cape Verde Islands
Central African Rep.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's Republic of Dahomey
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia

(1) formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando P.O.

Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Malawi
Mali
Mauritania, Mauritius
Mozambique
Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda
St. Helena and dep (2)
Sao Tome and Principe
Senegal
Seychelles
Sierra Leone
Somalia
Sudan
Swaziland
Terror, Afars and Issas
Togo
Uganda
Un. Rep. of Tanzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia

III. AMERICA, North and Cont.

Bahamas
Barbados
Belize
Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
El Salvador
Guadeloupe
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad and Tobago

III. AMERICA, North and Central

West Indies (Br.) n.i.e.

(a) Associated States	(1)
(b) Dependencies	(2)

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba St.

1. Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christopher), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.

2. Main Islands :Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.

IV. AMERICA, South

Argentina
Bolivia
Brazil
Chile
Colombia
Falkland Islands
French Guiana
Guyana
Paraguay
Peru
Surinam

V. ASIA, Middle East

Baharain
Israel
Jordan
Lebanon
Oman
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3)
Yemen Arab Republic
Yemen, People's D.R. (4)

VI. ASIA, South

Afghanistan
Bangladesh
Bhutan
Burma
India
Maldives
Nepal
Pakistan
Sri Lanka

VII. Asia, Far East

Brunei
Hong Kong
Khmer Republic
Korea, Republic of Lao
Macao
Malaysia
Phillippines
Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep. of
Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA

Cook Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (5)
Nauru
New Calendonia
New Hebrides (Br. and Fr.)
Niue
Pacific Islands (U.S) (6)
Papua New Guinea

3. Ajman, Dubai, Fugairah, Ras el Khaimah Sharjah and Umm al Quaiwain.
 4. Including Aden and Various sultantes and emirates.
 5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.
 6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marsall Islands, and Marine Islands (except Gaum.)

Solomon Islands (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna
Western Samoa

IX. EUROPE

Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

(a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia.

ANNEXURE-II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No.

Date.

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

Subject.—Import of _____ from _____ under the
Yen Credit No. ID-P. _____ (Project Aid for 1988)
Sir,

In connection with the import _____ from _____ under the above mentioned Yen Credit No. ID-P. _____ (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the _____ (name of the Bank) which should be the same as given in (P) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the Import Licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.

- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address of the Overseas Supplier;
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importers/ or Supplier.

(s) Undertaking by the importer:—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers".

ANNEXURE-III

(Letter of Authority Form)

No. F. _____
 Government of India
 Ministry of Finance
 Department of Economic Affairs
 New Delhi, the _____

To,

The Bank of India,
 Tokyo Branch,
 Tokyo (Japan)

Subject.—Import under Yen Credit (Project Aid) Loan Agreement No. ID-P. _____ Issue of Letter of Authority for opening Letter of Credit

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25th March, 1980—entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen _____ favouring M/s. _____ as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to _____ (Name and address of the importer's Bankers) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete/set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto _____

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,

(Accounts Officer)

Copy forwarded to:—

1. Importer _____ with reference to their letter No. _____ dated _____

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupees deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2(i) Importer's Banker, This has reference to import Licence No. _____ dated _____. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen credit. The licensing conditions and connected Public Notice/or etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. The

interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)68 dated 30-8-68, 233-ITC(PN)68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits-Deposit for purchases etc. abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan—billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P— for 1988.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

3. The Director, Locti Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4-1, Otemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

ANNEXURE—IV Form OECF-LC I

Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for goods)

Date :

To _____

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____ Dated _____ between (Borrower) and The OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of _____ for a sum of sums not exceeding an aggregate amount of _____ (Say Yen _____) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" and other document evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. _____

(if any) from _____ to _____ Partial shipments are permitted. Transhipment is permitted. Bills of lading must be dated not later than Drafts must be presented for negotiation not later than—

All Drafts and documents under this credit must be marked _____ irrevocable credit No. _____

"Drawn under _____

dated _____
and Import Reference No. (s) (if any)

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank:

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.

2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been air-mailed direct to _____

3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

.....
(a commercial bank)

By :

(Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____

1. Initial Payment

Amount: Y _____

being _____ % of the total contract price

Required documents : beneficiary's Statement

Latest presentation date :

2. Progress Payment

Aggregate amount : Y _____

being _____ % of the total contract price to be paid as follow

Amount due Latest presentation

1st Instalment : Y _____

2nd Instalment : _____

Required document: A copy of statement of performance issued by (Borrower or its designated authority),

a form of which is attached hereto.

STATEMENT OF PERFORMANCE

ANNEXURE-V

Date :

Ref. No.

Form OECF-LC II

Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for Services)

Date :

To

(Name and address of the Supplier)

Re : Letter of Credit No. _____ dated

issued by _____

for y _____ in favour of

..... Concerning.....

Project under Loan Agreement No. _____

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle _____ to receive the sum of Y. _____ (Yen) only from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the Payment of Terms stipulated in the Contract No. _____, dated _____, between _____ and _____

(Borrower)

By :

(Authorised Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____

I. Initial Payment

Amount : y _____

being _____ % of the total contract price.

Required documents :

Letter of Credit No. _____

II. Intermediate Payment (if any)

Amount : _____

being _____ % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount Y. _____

being _____ % of the total contract price.

Note : This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.

ANNEXURE-V

This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____, dated _____ between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

To

(Name and address of the Supplier)

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Y. _____ (Say Yen) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____ with regard to _____ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than.

All draft and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. _____

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision). International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

- After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto payment(s) under this credit must be made in accordance with the payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
- After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
- A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
- All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By :

(Authorised Signature)